

चमत्कारी उपाय ग्रह

धन, स्वास्थ्य और

सफलता



"हर ग्रह बहुत ज़्यादा शक्ति का सोर्स है; सही उपायों से आप सफलता के दरवाज़े खोल सकते हैं।"

द्वारा लिखित - जितेंद्र यादव
(एस्ट्रो मंदिर)

© कॉपीराइट नोट

इस ई-बुक का सारा कंटेंट, डिज़ाइन, टेक्स्ट, आइडिया, क्रिएटिव स्टाइल और स्ट्रक्चर द एस्ट्रो टेम्पल की इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी है।

इस पुस्तक का कोई भी भाग - चाहे वह पाठ, अनुष्ठान, उपाय, या चित्र हो - लेखक से पूर्व अनुमति के बिना किसी भी रूप में प्रकाशित, पुनर्वितरित, स्कैन, अनुवादित या कॉपी नहीं किया जा सकता है।

सर्वाधिकार सुरक्षित।

© द एस्ट्रो टेम्पल, 2025

अस्वीकरण

इस ई-बुक में बताए गए सभी उपाय, रस्में और तरीके पारंपरिक मान्यताओं, आध्यात्मिक अनुभवों और अल्टरनेटिव एनर्जी के सिद्धांतों पर आधारित हैं। वे पक्की दौलत या सफलता की गारंटी नहीं देते हैं।

एस्ट्रो टेम्पल यह जानकारी सिर्फ जागरूकता और सेल्फ-हेल्प के मकसद से शेयर करता है। इस ई-बुक को मेडिकल, साइकोलॉजिकल, फ़ाइनेंशियल या प्रोफ़ेशनल सलाह का विकल्प नहीं माना जाना चाहिए।

पढ़ने वालों को सलाह दी जाती है कि कोई भी उपाय करने से पहले वे अपनी समझ, समझदारी और हालात का इस्तेमाल करें। इस ई-बुक में दी गई जानकारी का इस्तेमाल पूरी तरह से पढ़ने वाले की अपनी ज़िम्मेदारी होगी।

विषयसूची

1 परिचय

2. चैप्टर 1: इंट्रोडक्शन - ग्रहों और जीवन के बीच कनेक्शन

3. चैप्टर 2: सूर्य - कॉन्फिडेंस और लीडरशिप का ग्रह

4. चैप्टर 3: चंद्रमा - मानसिक शांति और इमोशनल बैलेंस का ग्रह

5. चैप्टर 4: मंगल - साहस और ऊर्जा का ग्रह

6. चैप्टर 5: बुध - बुद्धि और बिज़नेस की समझ का ग्रह

7. चैप्टर 6: बृहस्पति - ज्ञान और समृद्धि का ग्रह

8. चैप्टर 7: शुक्र - प्यार और सुंदरता का ग्रह

9. चैप्टर 8: शनि - कर्म और न्याय का ग्रह

10. अध्याय 9: राहु - भ्रम और अवसरों का ग्रह

11. अध्याय 10: केतु - आध्यात्मिकता और मुक्ति का ग्रह

परिचय

हमारे जीवन में होने वाली हर छोटी या बड़ी घटना पर ग्रहों का गहरा असर होता है।

ज्योतिष के अनुसार, हमारे जन्म के समय ग्रहों की स्थिति हमारा स्वभाव, विचार, भाग्य और जीवन की दिशा तय करती है।

कभी-कभी ग्रह अच्छे नतीजे लाते हैं, तो कभी-कभी वे चुनौतियां खड़ी करते हैं।

लेकिन अच्छी बात यह है कि — कुछ आसान ज्योतिषीय उपायों की मदद से हम ग्रहों के बुरे असर को कम कर सकते हैं और उनकी पॉजिटिव एनर्जी बढ़ा सकते हैं।

यह ई-बुक “ग्रहों के उपायों से सफलता की कुंजी” आपको हर ग्रह को साफ़ और आसान तरीके से समझने में मदद करेगी —

- प्रत्येक ग्रह के अच्छे और बुरे प्रभाव
- ग्रह को मजबूत करने के उपाय
- मंत्र, दान, रत्न और अन्य आसान टिप्स

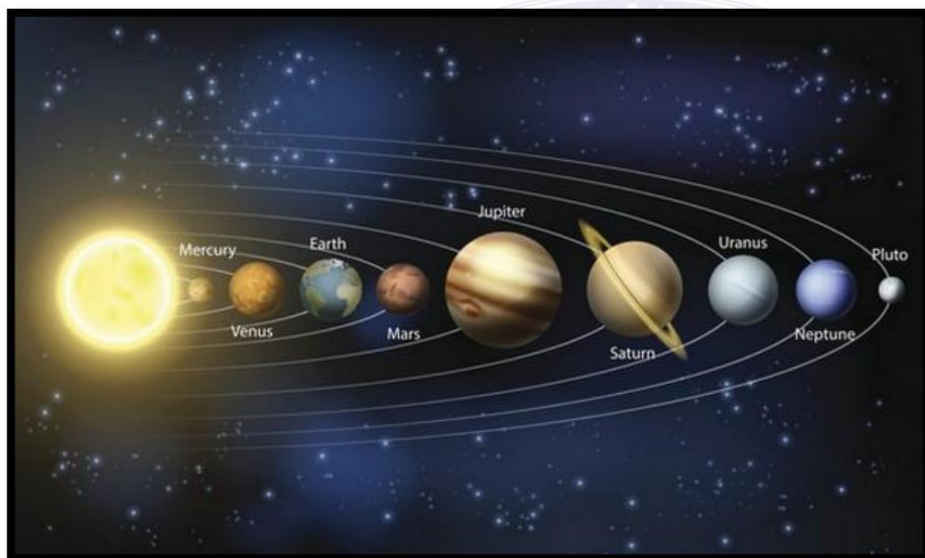
इन उपायों को अपनाकर आप अपने जीवन से मुश्किलों को दूर कर सकते हैं और सफलता, अच्छी सेहत, धन और शांति पा सकते हैं।

याद रखें - ये उपाय विश्वास और सकारात्मक सोच के साथ करने पर सबसे अच्छा काम करते हैं।

चैप्टर 1: इंट्रोडक्शन - कनेक्शन ग्रहों और जीवन के बीच

हमारे जीवन की हर घटना - चाहे वह सफलता हो या असफलता, खुशी हो या तनाव, अवसर हो या चुनौतियाँ - किसी न किसी तरह से ग्रहों से प्रभावित होती है।

भारतीय वैदिक ज्योतिष के अनुसार, नौ ग्रह (नवग्रह) — सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु — हमारे जीवन के प्रवाह और दिशा को निर्देशित करते हैं।



हमारे जन्म के ठीक समय और जगह पर, आसमान में इन ग्रहों की स्थिति हमारी जन्म कुंडली बनाती है।

यह चार्ट हमारी पर्सनैलिटी, सोच, व्यवहार, रिश्तों, हेल्थ और करियर के बारे में बहुत कुछ बताता है।

ग्रह क्यों महत्वपूर्ण हैं?

हमारी ज़िंदगी में ग्रह ऑर्केस्ट्रा के म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स की तरह हैं — जब सभी एक सुर में होते हैं, तो म्यूज़िक अच्छा लगता है; लेकिन अगर कोई एक सुर से बाहर हो जाए, तो पूरी धुन बिगड़ जाती है।

इसी तरह, जब ग्रह अनुकूल स्थिति में होते हैं, तो जीवन आसान और सफल हो जाता है।

लेकिन जब ग्रह खराब होते हैं, तो हमें मुश्किलों और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

सफलता में ग्रहों की भूमिका

- सूर्य आत्मविश्वास, लीडरशिप और शोहरत देता है।
- चंद्रमा मन की शांति और इमोशनल बैलेंस लाता है।
- मंगल हिम्मत और एनर्जी देता है।
- बुध बुद्धि और कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाता है।
- बृहस्पति ज्ञान और खुशहाली का प्रतीक है।
- शुक्र आकर्षण, क्रिएटिविटी और भौतिक सुख देता है।
- शनि कड़ी मेहनत और अनुशासन सिखाता है।
- राहु और केतु बदलाव और आध्यात्मिक विकास लाते हैं।

जब ये ग्रह पॉजिटिव तरीके से काम करते हैं, तो हमारा जीवन सफलता, सम्मान, धन और खुशियों से भर जाता है।



ग्रहों के उपाय क्यों ज़रूरी हैं?

हम ग्रहों की स्थिति को बदल नहीं सकते, लेकिन हम उनके असर को बैलेंस और मज़बूत कर सकते हैं।

यह ऐसा ही है जैसे हम मौसम को नहीं बदल सकते - लेकिन हम किसी भी स्थिति में आराम से रहने के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं।

ग्रहों के उपाय — जैसे मंत्र, दान, रत्न, उपवास, प्रार्थना, रंग, या छोटी-छोटी रोज़ाना की आदतें — ग्रहों की एनर्जी को हमारे पक्ष में लाने में मदद करती हैं।

इन उपायों का लक्ष्य अंधविश्वास नहीं, बल्कि एनर्जी बैलेंस और पॉजिटिव सोच को बढ़ावा देना है।

इस किताब में आपको क्या मिलेगा

इस किताब में, आप हर ग्रह के बारे में विस्तार से जानेंगे — उसके अच्छे और बुरे असर — साथ ही उन्हें बैलेंस करने के आसान, प्रैक्टिकल उपाय भी जानेंगे।

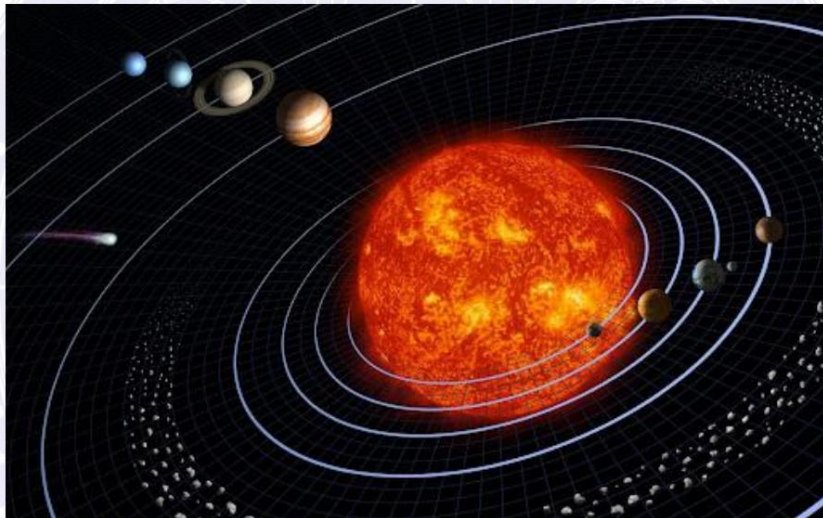
इन उपायों को अपनाकर, आप ग्रहों की एनर्जी को एक जैसा कर पाएंगे और अपने जीवन में सफलता और खुशहाली के दरवाज़े खोल पाएंगे।

चैप्टर 2: सूर्य - कॉन्फिडेंस और लीडरशिप का ग्रह

सूर्य का महत्व

सूर्य हमारे सोलर सिस्टम का सेंटर है, और एस्ट्रोलॉजी में, यह आत्मा, कॉन्फिडेंस, लीडरशिप, रेपुटेशन और लाइफ एनर्जी को दिखाता है।

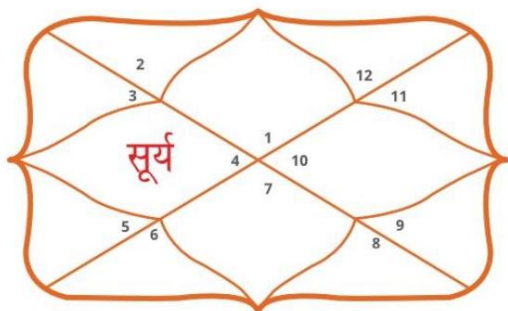
जन्म कुंडली में सूर्य की स्थिति बताती है कि व्यक्ति का व्यक्तित्व कितना मजबूत है, समाज में उसकी पहचान कैसी है, और उसे जीवन में कितनी सफलता और सम्मान मिलेगा।



सूर्य के सकारात्मक प्रभाव

जब सूर्य अनुकूल स्थिति में होता है, तो व्यक्ति में ये गुण दिखते हैं —

- आत्मविश्वास और करिश्मा
- मजबूत नेतृत्व क्षमता
- समाज में सम्मान और पहचान
- अच्छे निर्णय लेने के कौशल
- ऊर्जावान और प्रेरक व्यक्तित्व



सूर्य के नकारात्मक प्रभाव

जब सूर्य कमजोर या प्रतिकूल हो, तो ये हो सकता है — • आत्मविश्वास की कमी • फैसले लेने में हिचकिचाहट • सरकारी कामों में

परेशानी • पिता से अनबन

• स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं (खासकर आंखों, हड्डियों या दिल से जुड़ी)

सूर्य को मजबूत करने के उपाय

1. सूर्य मंत्र का जाप करें

Chant the mantra — Om Ghrini Suryaya Namah|| 11, 21, or 108 times every morning.

इससे सूर्य की पॉजिटिव एनर्जी एक्टिवेट होती है।

2. सूर्योदय देखें

उगते सूरज की पहली किरणों को सोखें — इससे आपकी अंदरूनी ताकत और एनर्जी बढ़ती है।

3. सूर्य को जल चढ़ाएं

तांबे के बर्तन में साफ पानी लें, उसमें लाल फूल डालें और उगते सूर्य को अर्घ्य दें।

4. लाल और नारंगी रंग का इस्तेमाल करें

लाल और नारंगी रंग के शेड्स (कपड़ों, सजावट या एक्सेसरीज़ में) पहनने या इस्तेमाल करने से कॉन्फिडेंस और एनर्जी बढ़ती है।

5. अपने पिता और बड़ों का सम्मान करें

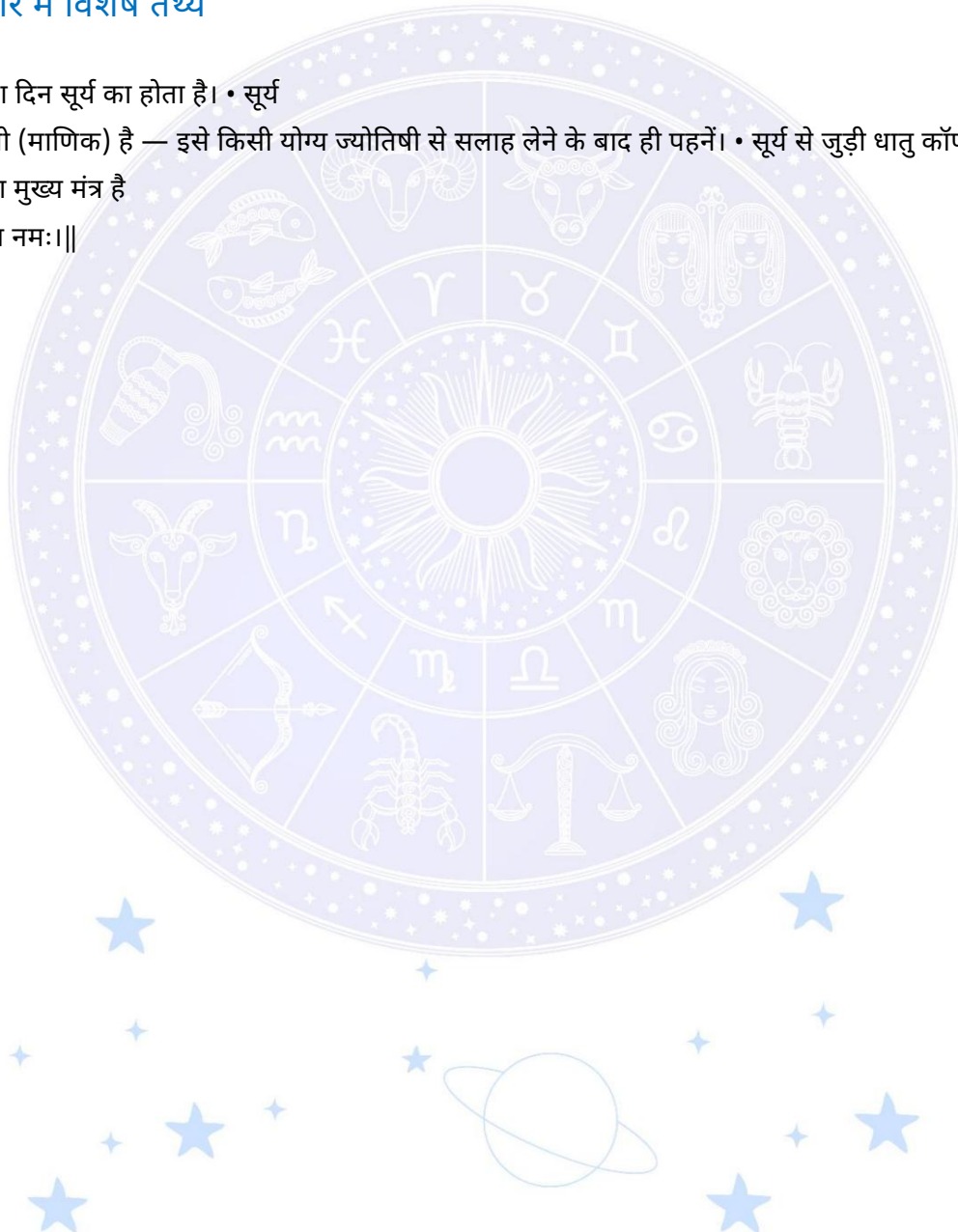
अपने पिता या पितातुल्य लोगों का आदर करें, उनका आशीर्वाद लें, और ज़रूरतमंद बुजुर्गों की मदद करें — इससे सूर्य का प्रभाव बढ़ता है।

6. तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल करें

तांबे के बर्तन में पानी पीना या खाना खाना सूर्य के लिए शुभ माना जाता है।

सूर्य के बारे में विशेष तथ्य

- रविवार का दिन सूर्य का होता है। • सूर्य का रत्न रूबी (माणिक) है — इसे किसी योग्य ज्योतिषी से सलाह लेने के बाद ही पहनें। • सूर्य से जुड़ी धातु कॉपर है। • सूर्य का मुख्य मंत्र है —ॐ सूर्याय नमः॥



अध्याय 3: चंद्रमा - शांति और भावनात्मक संतुलन

चंद्रमा का महत्व

ज्योतिष में, चंद्रमा हमारे मन, भावनाओं, कल्पना और मानसिक स्थिरता को दिखाता है।

यह हमारी खुशी, पारिवारिक जीवन, माँ का प्यार और इमोशनल बैलेंस दिखाता है।

जन्म कुंडली में चंद्रमा की स्थिति बताती है कि हम तनाव भरे हालात में कितने शांत रहते हैं और हमारा पारिवारिक जीवन कितना शांतिपूर्ण रहेगा।



चंद्रमा के सकारात्मक प्रभाव

जब चंद्रमा अनुकूल स्थिति में होता है — • मानसिक शांति और स्थिरता लाता है •
रचनात्मकता और कल्पनाशीलता बढ़ाता है • पारिवारिक सुख
और प्रेम देता है • अंतर्ज्ञान और निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत
करता है • भावनात्मक संतुलन बनाता है

चंद्रमा के नकारात्मक प्रभाव

जब चंद्रमा कमजोर या प्रतिकूल हो —

- चिंता और तनाव का कारण बनता है •

भावनात्मक अस्थिरता की ओर ले जाता है • नींद की समस्या

लाता है • व्यक्ति को भावनात्मक रूप से

कमजोर बनाता है • रिश्तों में दूरी या तनाव पैदा करता है

चंद्रमा को मजबूत करने के उपाय

1. चंद्र मंत्र का जाप करें

सोमवार को — ॐ चंद्राय नमः॥ या — ॐ सोमाय नमः॥ का 11, 21, या 108 बार जाप करें।

2. चंद्रमा को जल या दूध अर्पित करें

रात में, कच्चे दूध और पानी का मिश्रण श्रद्धापूर्वक चंद्रमा को अर्पित करें।

3. सफ़ेद रंग का इस्तेमाल करें

सफ़ेद कपड़े पहनें, सफ़ेद चादरें इस्तेमाल करें, या मोती के गहने पहनें — इससे मन शांत होता है और चंद्र ऊर्जा मजबूत होती है।

4. चावल और दूध दान करें

ज़रूरतमंदों को सफ़ेद चावल, दूध या मीठी खीर दान करें।

5. अपनी माँ का सम्मान करें अपनी माँ से आशीर्वाद

लें और उनके स्वास्थ्य का अच्छे से खयाल रखें।

6. मोती पहनें

अगर आपकी कुंडली में चंद्रमा कमजोर है, तो किसी काबिल ज्योतिषी से सलाह लेकर मोती पहनें।

चाँद के बारे में खास बातें

- सोमवार का स्वामी चंद्रमा है। • इसका रत्न मोती

- है। • इसकी धातु चांदी है। • इसका मुख्य मंत्र है - ॐ

सोमाय नमः।

अध्याय 4: मंगल - साहस और ऊर्जा



मंगल का महत्व

ज्योतिष में मंगल ग्रह ऊर्जा, साहस, बहादुरी और आत्मविश्वास को दर्शाता है। यह हमारे फैसले लेने की क्षमता, हमारी लीडरशिप स्किल्स और चुनौतियों से निपटने की ताकत को कंट्रोल करता है।

खेल, रक्षा, पुलिस, इंजीनियरिंग, रियल एस्टेट और दूसरे हिम्मत वाले कामों में सफलता पाने में मंगल ग्रह की अहम भूमिका होती है।

मंगल के सकारात्मक प्रभाव

जब मंगल अनुकूल स्थिति में हो —

- ऊर्जा और साहस बढ़ाता है
- नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करता है
- प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता में मदद करता है

- सेल्फ-प्रोटेक्शन और सिक्योरिटी को मज़बूत करता है • ज़िंदगी में डिसिप्लिन और गोल अचीवमेंट को बढ़ावा देता है

मंगल के नकारात्मक प्रभाव

जब मंगल कमजोर या प्रतिकूल हो —

- गुस्सा और गुस्सा पैदा करता है • चोट लगने या एक्सीडेंट होने का चांस बढ़ाता है • झगड़े और बहस लाता है • बेवजह गुस्सा पैदा करता है • एनर्जी का गलत इस्तेमाल करता है

मंगल को मजबूत करने के उपाय

1. मंगल मंत्र का जाप करें

मंगलवार को 11, 21 या 108 बार ॐ मंगलाय नमः का जाप करें।

2. भगवान हनुमान की पूजा करें

मंगलवार को हनुमान चालीसा पढ़ें और हनुमान मंदिर जाएं।

3. लाल कपड़े और रत्न पहनें

लाल रंग के कपड़े पहनें और किसी काबिल ज्योतिषी से सलाह लेकर लाल मूंगा रत्न पहनें।

4. मसूर और गुड़ का दान करें

ज़रूरतमंदों को लाल मसूर दाल, गुड़ या लाल कपड़े दान करें।

5. रक्तदान करें

अगर हो सके तो रक्तदान करें - इससे मंगल ग्रह को प्रसन्न करने और उसकी ऊर्जा को संतुलित करने में मदद मिलती है।

मंगल ग्रह के बारे में खास बातें

- मंगल ग्रह मंगलवार का स्वामी है। •

इसका रत्न लाल मूंगा (मूंगा) है। • इसकी धातु तांबा है। • इसका मुख्य मंत्र है - ॐ मंगलाय नमः।

अध्याय 5: बुध - बुद्धि और व्यापार का ग्रह

बुध का महत्व

ज्योतिष में, बुध बुद्धि, कम्युनिकेशन स्किल्स, बिज़नेस, मैथ्स, लॉजिक और एनालिटिकल सोच को दिखाता है।

यह ग्रह शिक्षा, लेखन, बोलने, व्यापार और टेक्नोलॉजी से जुड़ी सफलता में अहम भूमिका निभाता है।



बुध के सकारात्मक प्रभाव

जब बुध अनुकूल स्थिति में हो — • तेज़ दिमाग और मज़बूत याददाश्त

• बेहतरीन बातचीत और लिखने की कला •

बिज़नेस में फ़ायदा और तरक्की • गणित और लॉजिकल रीजनिंग

में कुशलता • नई भाषाएँ आसानी से सीखने

की क्षमता

बुध के नकारात्मक प्रभाव

जब बुध कमज़ोर या प्रतिकूल हो — • फ़ैसले लेने में

हिचकिचाहट • उलझन और ग़लतफ़हमी

- व्यापार में घाटा
- कमज़ोर याददाश्त • बोलते समय शर्म या हकलाना

बुध को मजबूत करने के उपाय

1. बुध मंत्र का जाप करें

बुधवार को 11, 21 या 108 बार —ॐ बुं बुधाय नमः॥ का जाप करें।

2. भगवान गणेश की पूजा करें। बुधवार

को भगवान गणेश की पूजा करें और बुध को प्रसन्न करने के लिए दूर्वा (हरी घास) चढ़ाएं।

3. हरे कपड़े और रत्न पहनें

बुधवार को हरे रंग के कपड़े पहनें और किसी काबिल ज्योतिषी से सलाह लेकर पन्ना रत्न पहनें।

4. हरी मूंग और सब्जियां दान करें - जरूरतमंदों को हरी मूंग या हरी सब्जियां दान करें।

5. तोतों को हरी चने खिलाएं

अगर हो सके तो बुधवार को तोतों को हरा चना खिलाएं।

बुध के बारे में विशेष तथ्य

- बुध बुधवार का स्वामी है। • इसका रत्न पन्ना है। • इसकी धातु कांसा है। • इसका मुख्य मंत्र है - ॐ बुं बुधाय नमः।

अध्याय 6: बृहस्पति - ज्ञान और समृद्धि

बृहस्पति का महत्व

ज्योतिष में, बृहस्पति (गुरु या बृहस्पति) को देवताओं का गुरु और सबसे शुभ ग्रह माना जाता है।

यह ज्ञान, आध्यात्मिकता, नैतिकता, शादी, बच्चे, धन, किस्मत और सम्मान को दिखाता है।



बृहस्पति के सकारात्मक प्रभाव

जब बृहस्पति अनुकूल स्थिति में हो — • गहरा ज्ञान और उच्च शिक्षा • अच्छे मूल्य और मजबूत नैतिकता • शादी में खुशी और स्थिरता • बच्चों का आशीर्वाद • सामाजिक सम्मान और प्रतिष्ठा • वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य

बृहस्पति के नकारात्मक प्रभाव

जब बृहस्पति कमज़ोर या प्रतिकूल हो — • कमज़ोर फैसले और ज्ञान की कमी

• आर्थिक नुकसान

• शादी में देरी या परेशानियाँ • बच्चों से जुड़ी समस्याएँ

• समाज में प्रतिष्ठा की हानि

बृहस्पति को मजबूत करने के उपाय

1. गुरुवार को बृहस्पति मंत्र “ॐ बृं बृहस्पतये नमः” का

11, 21 या 108 बार जाप करें।

2. पीले कपड़े और रत्न पहनें

गुरुवार को पीले रंग के कपड़े पहनें और किसी काबिल ज्योतिषी से सलाह लेकर पुखराज रत्न पहनें।



3. दान करें। बृहस्पति की

कृपा पाने के लिए गुरुवार को पीली दाल, गुड़ और हल्दी दान करें।

4. व्रत और पूजा करें

गुरुवार को व्रत रखें, भगवान विष्णु की पूजा करें और प्रार्थना के दौरान पीले फूल चढ़ाएं।

5. पवित्र पेड़ों की देखभाल

पीपल या बरगद के पेड़ों को पानी दें और उनकी देखभाल करें - दोनों ही बृहस्पति की ऊर्जा से जुड़े हैं।



बृहस्पति के बारे में खास बातें

- गुरुवार को बृहस्पति ग्रह का स्वामी माना जाता है। • इसका रत्न पुखराज है। • इसकी धातु सोना है।
- Its main mantra is —Om Brim Brihaspataye Namah.||



अध्याय 7: शुक्र - प्रेम और सुंदरता

शुक्र का महत्व ज्योतिष में शुक्र को प्रेम, कला, सुंदरता, विलासिता, भौतिक सुख-सुविधाओं, विवाह, वैवाहिक जीवन और रचनात्मकता का ग्रह माना जाता है।

जब शुक्र मजबूत होता है, तो जीवन प्यार, आकर्षण और भौतिक सुखों से भर जाता है।



शुक्र के अच्छे असर • आकर्षक पर्सनैलिटी और खूबसूरती • प्यार और शादी में सफलता • कला, संगीत और फैशन में कामयाबी • दौलत और ऐशो-आराम में बढ़ोतरी • ज़िंदगी में रोमांस और इमोशनल बैलेंस

शुक्र के प्रतिकूल प्रभाव

• प्यार के रिश्तों में नाकामी या तनाव • शादी में दिक्कतें • सुख-सुविधाओं की कमी • आलस और गलत फैसले लेना • शारीरिक आकर्षण का खत्म होना

शुक्र को मजबूत करने के उपाय

1. शुक्र मंत्र का जाप करें

शुक्रवार को 108 बार —ॐ शुं शुक्राय नमः॥ का जाप करें।

2. सफ़ेद कपड़े और रत्न पहनें

शुक्रवार को सफ़ेद कपड़े पहनें और किसी काबिल ज्योतिषी की सलाह से हीरा या ओपल पहनें।



3. मिठाई और दान दें गायों को हरी घास खिलाएं और

छोटी लड़कियों को सफ़ेद मिठाई (जैसे रसगुल्ला) दें।

4. पूजा और प्रार्थना

देवी लक्ष्मी की पूजा करें और उन्हें कमल के फूल चढ़ाएं।

5. सुंदरता और सफ़ाई बनाए रखें अपने घर और शरीर को साफ़ और सुंदर

रखें।

शुक्र के बारे में खास बातें • शुक्र का दिन शुक्रवार है। • इसके रत्न

हीरा, ओपल या सफ़ेद नीलम हैं। • इसकी धातु चांदी है।

• इसका मुख्य मंत्र है - ॐ शुं शुक्राय नमः।

अध्याय 8: शनि – कर्म और न्याय का ग्रह

शनि का महत्व

ज्योतिष में शनि को कर्म, अनुशासन, धैर्य, न्याय, कड़ी मेहनत और लंबे समय तक फल देने वाला ग्रह माना जाता है।

जब शनि मजबूत होता है, तो व्यक्ति ईमानदारी, लगन और समझदारी भरे फैसलों से जीवन में आगे बढ़ता है।



शनि के अनुकूल प्रभाव

• कड़ी मेहनत का सही फल मिलना • जीवन में स्थिरता और अनुशासन •

न्याय और ईमानदारी की भावना • ज़िम्मेदारियों को

संभालने की क्षमता • लंबी उम्र और धैर्य

शनि के प्रतिकूल प्रभाव

• बार-बार रुकावटें और देरी • पैसे की तंगी और कर्ज़ •

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ, खासकर हड्डियों और जोड़ों से

जुड़ी परेशानियाँ

- मानसिक तनाव और अकेलापन
- कानूनी या सामाजिक विवाद

शनि को मजबूत करने के उपाय

1. शनि मंत्र का जाप करें

शनिवार को 108 बार —ॐ शं शनैश्चराय नमः॥ का जाप करें।

2. दान और सेवा

गरीबों, मजदूरों और बुजुर्गों को काले कपड़े, तिल, काली उड़द दाल या जूते दान करें।



3. पीपल के पेड़ की पूजा करें

शनिवार को पीपल के पेड़ की जड़ में तेल का दीपक जलाएं और पूजा करें।

circumambulation (parikrama).

4. काले तिल और सरसों का तेल

शनिवार को सरसों का तेल दान करने से पहले उसमें अपनी परछाई देखना शुभ माना जाता है।

5. अनुशासन और कड़ी मेहनत ईमानदारी और समय की
पाबंदी के साथ ईमानदारी से काम करें।



शनि के बारे में खास बातें

- शनि का दिन शनिवार है। • इसका रत्न नीलम है (किसी योग्य ज्योतिषी से सलाह लेने के बाद ही पहनना चाहिए)। • इसकी धातु लोहा है। • इसका मुख्य मंत्र है - ॐ शं शनैश्चराय नमः।



अध्याय 9: राहु - भ्रम का ग्रह और अवसर

राहु का महत्व

राहु को एक शैडो प्लेनेट के तौर पर जाना जाता है जो भ्रम, इच्छाएं और भौतिक सुखों के प्रति गहरा आकर्षण पैदा करता है।

जब राहु अच्छी स्थिति में होता है, तो यह अचानक मौके, विदेश में फ़ायदा और समाज में पहचान दिला सकता है।

हालाँकि, जब राहु पीड़ित होता है, तो यह व्यक्ति को लालच, धोखा, नशा और मानसिक अस्थिरता की ओर ले जा सकता है।



राहु के शुभ प्रभाव

- विदेश यात्रा और विदेश से फ़ायदा • अचानक धन या पद की प्राप्ति • टेक्नोलॉजी और आधुनिक क्षेत्रों में सफलता • रहस्यमयी विद्याओं और रिसर्च में रुचि

- साहसिक और जोखिम भरे निर्णय लेने की क्षमता

राहु के बुरे प्रभाव

- मानसिक उलझन और गलत फैसले लेना • नशा, धोखा या गलत लोगों के साथ शामिल होना

• कानूनी परेशानियाँ और झगड़े • अचानक नुकसान
या बेइज्जती • पारिवारिक जीवन में अस्थिरता

राहु को मजबूत करने के उपाय

1. राहु मंत्र का जाप करें

ॐ भ्रां भ्रीं भ्रों सः राहवे नमः का 108 बार जाप करें

बुधवार या शनिवार.

2. नारियल चढ़ाएं

हर शनिवार को मंदिर में नारियल चढ़ाएं।

3. नीले कपड़े और जूते दान करें गरीबों को नीले या काले कपड़े और जूते दान करें।

4. अगरबत्ती और कपूर जलाएं

शाम को राहु के बुरे असर को कम करने के लिए अगरबत्ती या कपूर जलाएं।

5. बुरी संगत से बचें

राहु के बुरे असर को कम करने के लिए नशे की लत, बुरी आदतों और बुरे असर वाले लोगों से दूर रहें।

राहु के बारे में खास बातें

• राहु का दिन शनिवार है। • इसका रत्न हेसोनाइट गार्नेट

(गोमेद) है — इसे किसी योग्य ज्योतिषी से सलाह लेने के बाद ही पहनें। • इसकी धातु मिश्र धातु है। • इसका मुख्य मंत्र है "ॐ भ्रां भ्रीं भ्रों सः राहवे नमः।"

अध्याय 10: केतु - आध्यात्मिकता और मुक्ति का ग्रह

केतु का महत्व

राहु की तरह केतु को भी छाया ग्रह के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसका स्वभाव बिल्कुल अलग है।

राहु इंसान को भौतिक इच्छाओं और दुनियावी लगाव की ओर ले जाता है, जबकि केतु वैराग्य, आध्यात्मिकता और मुक्ति (मोक्ष) को दिखाता है।

जब केतु सही जगह पर होता है, तो यह व्यक्ति को गहरी आध्यात्मिक समझ, ज्योतिष और रहस्यवाद में रुचि, और शक्तिशाली अंतर्ज्ञान का आशीर्वाद देता है।

हालाँकि, पीड़ित होने पर केतु उलझन, अकेलापन और मानसिक अशांति ला सकता है।



केतु के अनुकूल प्रभाव

- आध्यात्मिक विकास और मुक्ति की इच्छा
- मुश्किल हालात में भी मन की शांति
- ज्योतिष, मंत्र और गुप्त विद्याओं में महारत
- मज़बूत अंतर्ज्ञान और भविष्यवाणी करने की शक्ति
- वैराग्य और त्याग की भावना

केतु के बुरे असर

- मानसिक चिंता और डर • आत्मविश्वास की कमी • परिवार या समाज से अलग-थलग रहना • दुर्घटना या चोट लगने का खतरा • हमेशा अनिश्चितता का एहसास

केतु को मजबूत करने के उपाय

1. केतु मंत्र का जाप करें

ॐ सां स्त्रीं सौं सः केतवे नमः का 108 बार जाप करें

मंगलवार या गुरुवार.

2. कुत्तों को खिलाएं केतु

के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए रोजाना या मंगलवार को कुत्तों को रोटी खिलाएं।



3. तिल और गुड़ का दान करें

मंगलवार को तिल और गुड़ का दान करें।

4. लाल या काले कपड़े दान करें

जरूरतमंदों को लाल या काले कपड़े दें।

5. मेडिटेशन और आध्यात्मिक अभ्यास केतु की

आध्यात्मिक ऊर्जा को पॉजिटिव तरीके से निर्देशित करने के लिए रेगुलर मेडिटेशन और मंत्र जाप का अभ्यास करें।

केतु के बारे में खास बातें

- केतु का दिन मंगलवार है। • इसका रत्न लहसुनिया है
- इसे किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह पर ही पहनें। • इसकी धातु मिश्र धातु है। • इसका मुख्य मंत्र है “ॐ स्वां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः।”



निष्कर्ष

जीवन में सच्ची सफलता पाने के लिए सिर्फ कड़ी मेहनत और प्लानिंग ही काफी नहीं है —
पॉजिटिव एनर्जी, सही समय और ग्रहों का सपोर्ट भी उतना ही ज़रूरी है।
ग्रह हमारी ज़िंदगी में अनदेखे गाइड की तरह काम करते हैं — जब अच्छे होते हैं, तो वे तरक्की, खुशी और खुशहाली लाते हैं; जब बुरे होते हैं,
तो वे रुकावटें और चुनौतियाँ लाते हैं।

इस पुस्तक में बताए गए सरल और व्यावहारिक उपाय - जैसे मंत्र जाप, दान, रत्न पहनना, उपवास और शुभ दिनों पर विशिष्ट कार्य
करना - नकारात्मक ग्रहों के प्रभाव को कम करने और सकारात्मक को बढ़ाने में मदद करते हैं

परिणाम।

इन उपायों को करते समय, लगातार कोशिश करना, विश्वास और पॉजिटिव सोच सबसे ज़रूरी चीज़ें हैं, क्योंकि यही वो एनर्जी हैं जो ग्रहों तक
पहुँचती हैं और आपकी किस्मत बदल देती हैं।

याद करना -

ग्रह आपके जीवन की दिशा तय करते हैं, लेकिन आपके विचार और काम आपके भविष्य को आकार देते हैं।

सही समय पर सही उपाय अपनाकर आप किसी भी चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं और सफलता की चाबी अपने हाथों में रख सकते हैं।

विश्वास रखें, धैर्य रखें और अच्छे कर्म करें - ये सबसे सच्चे ज्योतिषीय उपाय हैं।

आपका जीवन आशीर्वाद से भरा रहे, और सफलता हमेशा आपके रास्ते पर चले।

शुभकामनाएं,

लेखक: जितेंद्र यादव (द एस्ट्रो टेम्पल)